विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -**षष्ठ** **दिनांक -27-06-2020**

विषय -हिन्दी (व्याकरण) **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

सुप्रभात बच्चों आज वचन के बारे में विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे, मुझे उम्मीद हैं आप ध्यान पूर्वक अध्ययन करेंगे और समझने का प्रयास करेंगे।

वचन

वचन की परिभाषा

वचन का शब्दिक अर्थ संख्यावचन होता है। संख्यावचन को ही वचन कहते हैं। वचन का एक अर्थ कहना भी होता है। संज्ञा के जिस रूप से किसी व्यक्ति , वस्तु के एक से अधिक होने का या एक होने का पता चले उसे वचन कहते हैं। अथार्त संज्ञा के जिस रूप से संख्या का बोध हो उसे वचन कहते हैं अथार्त संज्ञा , सर्वनाम , विशेषण और क्रिया के जिस रूप से हमें संख्या का पता चले उसे वचन कहते हैं।

जैसे-

- लडकी खेलती है।
- लडकियाँ खेलती हैं।

शब्द के जिस रूप से एक या एक से अधिक का बोध होता है, उसे हिन्दी व्याकरण में 'वचन' कहते है।

दूसरे शब्दों में- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के जिस रूप से संख्या का बोध हो, उसे 'वचन' कहते है।

जैसे-

- फ्रिज में सब्जियाँ रखी हैं।
- तालाब में मछलियाँ तैर रही हैं।

- माली पौधे सींच रहा है।
- कछुआ खरगोश के पीछे है।

उपर्युक्त वाक्यों में फ्रिज, तालाब, बच्चे, माली, कछुआ शब्द उनके एक होने का तथा सब्जियाँ, मछलियाँ, पौधे, खरगोश शब्द उनके एक से अधिक होने का ज्ञान करा रहे हैं। अतः यहाँ फ्रिज, तालाब, माली, कछुआ एकवचन के शब्द हैं तथा सब्जियाँ, मछलियाँ, पौधे, खरगोश बहुवचन के शब्द।

वचन के भेद

1. **एकवचन**
2. **बहुवचन**

एकवचन

एकवचन की परिभाषा

जिस शब्द के कारण हमें किसी व्यक्ति , वस्तु , प्राणी , पदार्थ आदि के एक होने का पता चलता है उसे एकवचन कहते हैं।

संज्ञा के जिस रूप से एक व्यक्ति या एक वस्तु होने का ज्ञान हो, उसे एकवचन कहते है।

जैसे- लड़का , लडकी , गाय , सिपाही , बच्चा , कपड़ा , माता , पिता , माला , पुस्तक , स्त्री , टोपी , बन्दर , मोर , बेटी , घोडा , नदी , कमरा , घड़ी , घर , पर्वत , मैं , वह , यह , रुपया , बकरी , गाड़ी , माली , अध्यापक , केला , चिड़िया , संतरा , गमला , तोता , चूहा आदि।

एकवचन और बहुवचन के कुछ नियम

आदरणीय या सम्मानीय व्यक्तियों के लिए बहुवचन का भी प्रयोग होता है लेकिन एकवचन व्यक्तिवाचक संज्ञा को बहुवचन में ही प्रयोग कर दिया जाता है।

जैसे-

- शास्त्रीजी बहुत ही सरल स्वभाव के थे।
- गुरूजी आज नहीं आये।

एकवचन और बहुवचन का प्रयोग संबंध दर्शाने के लिए समान रूप से किया जाता है।

जैसे- नाना , मामी , ताई , ताऊ , नानी , मामा , चाचा , चाची , दादा , दादी आदि।

द्रव्य की सुचना देने वाली द्रव्यसूचक संज्ञाओं का प्रयोग केवल एकवचन में ही होता है।

जैसे- तेल , घी , पानी , दूध , दही , लस्सी , रायता आदि।

वचन के कुछ शब्दों का प्रयोग हमेशा ही बहुवचन में किया जाता है।

जैसे- दाम , दर्शन , प्राण , आँसू , लोग , अक्षत , होश , समाचार , हस्ताक्षर , दर्शक , भाग्य केश , रोम , अश्रु , आशिर्वाद आदि।

वचन में पुल्लिंग के ईकारांत , उकारांत और ऊकारांत शब्दों का प्रयोग दोनों वचनों में समान रूप से किया जाता है।

गृहकार्य

1- वचन किसे कहते है ?
2- वचन के कितने भेद है?
3- एकवचन को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए?